यीशु का जन्म

परमेश्वर के वच्चन से बाइबिल की एक कहानी

में पायी जाती है

मैथ्यू १ ।२, ल्यूक १।२

"तुमहोर शब्द के प्रवेश से रोशनी मिल्त है ।"
भजन ११९।१३०

द्वारा लिखत Edward Hughes
द्वारा चित्र M. Maillot

द्वारा अनुवाद करो गयो
द्वारा अनुकूल E. Frischbutter; Sarah S.

60 की कहानी में से 36

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

लाइसेंस: तुमई जा कहानी को पात्रिका या छापन को अधिकार है,
जब तक तुम जाई बेचत नाइ हो |

परमेश्वर जान्त हैं की हम सब ने बुरे काम करें हैं | जिन्हें वे पाप कहत हैं | पाप को दंड मृत्यु है ।

परमेश्वर हमें बहुत प्रेम करत हैं उसने अपने बेटा यीशुको कृश पर मरन और हमारे पाप के दंड को भोगन केलिए भेजो | यीशु जिंदा हुआ और स्वर्ग पर चलेगये | अब परमेश्वर हमारे पाप को क्षमा कर सकत हैं ।

अगर तुम अपने पाप से मुडनो चाहत हो तो जा परमेश्वर से कहो: प्रिय परमेश्वर हमारो मननो है की यीशु हमरा ले मारेगये और आब फिरसे जिंदा होई गएँ | कृपया मेरी जिंदिगी मा आई के मेरे पापों को मॉफ करो | इस ले आब हम नव जीवन पाई सकत हैं और फिर तुम्हारे संगे हमेशा के ले रहीं | अपने वच्चन के रूप मा मेरी सहायता करो | अमीन | यहुना ३।६

बाइबिल पढो और हर दिन परमेश्वर से बातें करो।

कन्नौजी भाषा Kannauji

तब चकित हुई के मरियम ने पूछी "जो कैसे हुई" हम तो किसउ अदिमी को मिले नई है | स्वर्ग दूत ने मरियम से कहीं की बच्चा परमेश्वर की और से हुई वा को कोई मनुष्य पिता नाई हुई ▯
3
तब स्वर्ग दूत ने मरियम से कही तुम्हारी चचेरी बहिन एलिशिवा को बुढापे म बच्चा होन वालो है | जउ एक चमत्कार है, वा के तुरंत बाद मरियम उठ के एलिशिवा के तीर चल दई | फिर उन्ने एक संग मिल के परमेश्वर की प्रसंशा करी ▯
4
मरियम की मगनी युशुफ नाम के एक आदमी के शंग भई हती | युशुफ बहुत दुखी हते, की जब उन्ने जनि की मरियम बच्चा को जन्म देन वालि है, तब युशुफ सोचन लगे की जाको तउ कोई और पिता है ▯
5
तब सपने माँ परमेश्वर के स्वर्ग दूत ने युशुफ से कही की जउ बच्चा परमेश्वर को पुत्र है | तब युशुफ मरियम की मदत करन लगे, यीशु को देख के ▯
6
तब युशुफ ने भरोषा करो और परमेश्वर की आज्ञा मानी और उन्ने अपने देश की कानून को भी पालन करो और एक नए कानून के कारण युशुफ और मारियम अपने कर को भुगतान करन के ले अपने घर के नगर
बेथलेहीम के ले चलदए ▯
7
तब मरियम के बच्चा के जन्म को समय आई गओ, लेकिन युसूफ कऊ कहू जगह नाई मिली▯ क्यों की धर्मशाला की पूरी जगह भरी गई हती ▯
8
युशुफ को बादी मा गोऊशाला मा जगह मिली और हुयन बच्चा यीशु को जन्म भयो, उनकी माता ने बच्चा को चरनी मा रख दयो, जिसमा जानवरन को चारा खावाओ जात करो ▯
9
तीर पास के चरवाहे लोग अपने झुण्ड की सौत समय रखवाली कर रहे हते | तब परमेश्वर के स्वर्ग दूत ने दिखाई दई | और उन्ने बड़ी खुशी की खबर सुनाई ▯
10
की दाउद की सेहर मा आज तुम्हारे ले एक उद्धार करता को जन्म भयो है जो मसीह प्रभु है और तुम बा बच्चा को चरनी माँ पारो भयो दिखियो |
11
तब अचानक से और सफेद स्वर्ग दूत सामने दिखाई दे और परमेश्वर की स्तुति कत भय जा कहात हते "परम प्रधान परमेश्वर की महिमा होई और सब मनुष्यन मा शांति होई" ▯
12
तब चरवाहे जा सुनिके देखन के ले गये और उन्ने बच्चा को चरनी मा देखो और सब लोगन को बताओ की जो उनसे स्वर्ग दूत से यीशु के बारे मा कहि हती ▯
13
जब ८ दिन पुरे भये तब युशुफ और मरियम यीशु को येरूशलेम के मंदिर मा लाए | हुअन सिमोन नाम के एक आदमी ने यीशु को गोदी मा लेई के परमेश्वर की प्रसंशा करी पुरानी ब्यबस्था की रीती के अनुसार परमेश्वर को धन्यवाद दो ▯
14
बई दोनों लोग जान्त हते की यीशु परमेश्वर के पुत्र हैं | ब्यबस्था के बचन के अनुसार युसूफ ने दुई पछियान को बलिदान चढाओ जैसो परमेश्वर के ले लिखो गओ हतो | जो हर एक पहलौठे बच्चा परमेश्वर को अर्पित करन के ले लेईबो चाहींए |
15
कुछ समय के बाद एक खास तारें ने पूरब देश के बुद्धिमान अदमियन की अगुवाई कारी की बई
यहूदी लोगन के राजा को जन्म कहाँ भयो हुई | उन लोगोन ने पूछी की हम बाकि उपासना करनो चाहत है ▯
16
जब हेरोदेश राजा ने बुद्धिमान अग्नियों से सुनी तब परेशान हुई के हेरोदेश राजा ने ने उनसे कही जब यीशु मिलजाए तब हमें बतईयो | क्यों की हमउ उसकी उपासना करनो चाहत हैं | लेकिनी हेरोदेश राजा ने झूंठी कही हती | क्योंकि बो तो यीशु को मरनो चाहत हतो ▯
17
तारे ने बुद्धिमान पुरुषन की अगुवाई कर के बा घर तक पहुचाई दो जहाँ मरियम और युसूफ यीशु के संग राहत हते | उन पुरुषन ने घुटना टेक के उपासना कारी | सोने और सुगन्धित बस्तुअन के कीमती उपहार को यीशु को दो ▯
18